

67/18

4/7/14

पत्र

पत्रावली का मूल वाप अवयव टाजरी अवयव
 पत्रवी से रेखाशील किया जा चुका है।
 इस पत्रावली का चर्के का कोई औचित्य
 नहीं रहा है पत्रावली नम्बर से कम
 है मूल वापके साथ संलग्न रहे।

ॐ

उपसंग्रह अधिक
 कोटेशन (अ)